फरवरी 2022

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

चुनाव 2022

एक ही नारा भाईचारा

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

किसान अन्नदाता हैं और उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जब तक खेती की उन्नति नहीं होगी, गांवों का विकास नहीं होगा। लेकिन जहां देश के अन्य सारे धंधे फायदे में हैं वहीं किसान घाटे में है। जब तक देश का किसान सुखी नहीं होगा तब तक देश संपन्न और महान नहीं बन सकता।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

फरवरी 2022
वर्ष 23 | संख्या 04

प्रिय पाठकों,

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!
आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन बदले हुए कलेवर में अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आपके उत्साहवर्धन और प्रेम के कारण ही हमारा यह सफर यहां तक पहुंचा है। हम भरोसा दिलाते हैं कि हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने देंगे। कृपया हमेशा की तरह आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहें।
धन्यवाद!

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

समाजवादी घोषणा पत्र : सत्य वचन अटूट वादा 04

10 कवर स्टोरी

एक ही नारा, भाईचारा

भाजपा यूपी में हारेगी-ममता

चुनाव 22

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के किसानों, नौजवानों, माताओं, बहनों और अल्पसंख्यक सभी से अपील की कि वे एकजुट होकर श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी की मदद करें।

फर्जी मुद्दों की गर्मी निकाल रहे हैं समाजवादी मुद्दे 26
आम बजट 2022: गरीबों पर सितम 32

समाजवादी वचन पत्र
अटूट वादा
22
संकल्प

समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र

सत्य वचन अटूट वादा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव घोषणा पत्र समाजवादी वचन पत्र के रूप में दिनांक 8 फरवरी को जारी किया। इसे 'सत्य वचन और अटूट वादा' की संज्ञा भी दी गई।

समाजवादी वचन पत्र जारी करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश बदलाव की ओर देख रहा है। समाजवादी पार्टी एक नया सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए और वचन पत्र को पूर्ण कर उत्तर प्रदेश को देश में अग्रणी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी वचन पत्र सत्य और अटूट है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने वादों को पूरा किया है।

किसानों का जीवन होगा खुशहाल

समाजवादी पार्टी ने वचन पत्र में किसानों की स्थिति में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कई वादे किए हैं। किसानों को 4 साल के भीतर 2025 तक कर्ज मुक्त बनाने और ऋण मुक्ति कानून बनाकर अत्यंत गरीब किसानों को लाभ पहुंचाने का वादा किया गया है।

वचन पत्र में पार्टी ने सभी फसलों के लिए एमएसपी प्रदान करने और गन्ना किसानों को 15 दिन में भुगतान सुनिश्चित करने का वादा किया है। इसी तरह से किसानों के लिए सिंचाई एवं मुफ्त बिजली, ब्याज मुक्त लोन बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था करने की घोषणा की गई है।

समाजवादी पार्टी ने किसान आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों के परिवारों को 25 लाख की आर्थिक मदद करने और उनकी याद में स्मारक बनाने की घोषणा की है। 2 एकड़ से कम के किसानों को 2 बोरी डीएपी और 5 बोरी यूरिया मुफ्त देने का वादा किया।

मुफ्त बिजली

पार्टी ने प्रदेश के सभी बिजली उपभोक्ताओं को 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त करने का वादा किया है।

साल में दो सिलेंडर मुफ्त, फ्री पेट्रोल

घोषणा पत्र जारी करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सभी बीपीएल परिवारों को प्रति वर्ष 2 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त में दिया जाएगा। दो पहिया वाहन मालिकों को प्रति माह 1 लीटर पेट्रोल और ऑटो रिक्शा चालकों को प्रतिमाह 3 लीटर पेट्रोल 6 किलो सीएनजी मुफ्त प्रदान की जाएगी।

1 करोड़ नौकरियां

वचन पत्र में प्रदेश में सरकारी विभागों में खाली ग्यारह लाख पदों पर नियुक्ति और एक करोड़ कुल नौकरियां देने का वादा किया गया है। वचन पत्र मेंआईटी के क्षेत्र में 22 लाख लोगों को रोजगार देने और मनरेगा की तर्ज पर अर्बन एंप्लॉयमेंट गारंटी एक्ट लाने की घोषणा भी की गई है।

नौकरियों में महिला आरक्षण, पीजी तक मुफ्त शिक्षा

नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और पुलिस में महिलाओं के लिए अलग से विंग बनाने का वचन पत्र में वादा

कृषि

- **दूध समेत सभी फसलों के लिए एमएसपी**
- **उत्तर प्रदेश में 'सभी फसलों के लिए एमएसपी'** की गणना स्वामीनाथन फार्मूला सी2 + 50% के अनुसार की जाएगी। एमएसपी को राज्य सरकार के हस्तक्षेप के ज़रिए **'मूल्य स्थापित करने वाली व्यवस्था'** के रूप विकसित किया जाएगा ताकि कोई भी सार्वजनिक या निजी व्यक्ति/संस्था किसानों से एमएसपी के नीचे उनकी फसल को खरीद नहीं पाएगा। कुछ अधिसूचित फसलों जैसे आलू के मामले में राज्य सरकार द्वारा **'मूल्य क्षतिपूर्ति तंत्र'** भी विकसित किया जाएगा।

रोज़गार

- **'शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम'** मनरेगा की तर्ज पर लाया जाएगा। ताकि नौजवान पुरुषों और महिलाओं को तब तक न्यूनतम रोजगार और आय की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी जब तक कि वे एक सुरक्षित व्यवसाय या नौकरी प्राप्त करने में सक्षम न हो जाएं।
- समाजवादी पार्टी की सरकार **2027 तक 10 लाख सरकारी एवं 1 करोड़ प्राइवेट नौकरियों का सृजन करेगी।**
- **'राज्य रोजगार नीति'** सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए विस्तृत रोडमैप बनाया जाएगा।

शिक्षा

- **'फ्री गर्ल चाइल्ड एजुकेशन'** कन्याओं के लिए **'केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा'** इस मिशन का प्रमुख केंद्र होगा।
- **'सकल नामांकन अनुपात'** को उच्च शिक्षा में 50 फीसदी एवं माध्यमिक शिक्षा में 100 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा।
- सभी स्तर पर सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता को बेहतर किया जाएगा, **'विश्वविद्यालयों की सीटों में दोगुना वृद्धि'** की जाएगी।
- राज्य की बसों में छात्रों के लिए **फ्री ट्रैवेल पास** जारी किए जाएंगे।

अंत्योदय योजना

- **गेहूं, चावल, दाल और खाना पकाने के तेल के मुफ्त वितरण के लिए अंत्योदय योजना को दुबारा शुरू किया जाएगा।**
- **पीडीएस राशन वितरण की होम डिलिवरी की व्यवस्था की जाएगी।**
- **मैन्युअल कचरा प्रबंधन को समाप्त किया जाएगा** और ऐसे कर्मियों को मशीन ऑपरेट करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे अन्य कार्य भी कर सकें।
- सभी बड़े शहरों में अति गरीब नागरिकों के लिए **'रात्रि विश्राम आश्रय गृह** 'बनाए जाएंगे।

कानून व्यवस्था

- **'राज्य कानून व्यवस्था नीति-2022'** के द्वारा मजबूत, उदार और उत्तरदायी पुलिस प्रणाली विकसित की जाएगी। यह अधिक मानवीय और जनता के अनुकूल वातावरण में उत्कृष्टता पैदा करने पर विशेष जोर देगी।
- **'सरकार बनने के एक साल के भीतर यूपी पुलिस में सभी रिक्तियों को पूरा किया जाएगा।'**

डिजिटल पॉलिसी

- **'स्मार्ट विलेज क्लस्टर डेवलपमेंट अथॉरिटी'** नामक एक विशेष प्रयोजन वाहन के माध्यम से राज्यभर में 'स्मार्ट विलेज क्लस्टर' स्थापित किए जाएंगे, ये क्लस्टर बड़े पैमाने पर डेटा मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अनुमानों पर आधारित होंगे।

वरिष्ठ नागरिक

- **सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त बस यात्रा।**
- **'कॉल सेंटर और वृद्धाश्रम स्थापित किए जाएंगे'** इन वृद्धाश्रमों को प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स द्वारा संचालित किया जाएगा एवं रहने वाले नागरिकों को घर जैसी सुविधा प्रदान की जाएगी।
- **'समाजवादी श्रवण यात्रा'** योजना को दुबारा शुरू किया जाएगा।
- **'पेंशनर्स का वेरीफिकेशन उनके घर के द्वार पर किया जाएगा।'**

महिला सशक्तिकरण

- समाजवादी पार्टी की सरकार **'महिलाओं, अल्पसंख्यकों और दलितों'** सहित प्रत्येक नागरिक के लिए **'हेट क्राइम'** के खिलाफ **'जीरो टॉलरेंस की नीति'** के लिए संकल्प बद्ध है।
- 'उत्तर प्रदेश में पुलिस समेत सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को ३३% आरक्षण दिया जाएगा' यह **आरक्षण सभी श्रेणियों जैसे सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीएस, एससी और एसटी के लिए लागू होगा।**

उत्तराखंड को बनाएंगे खुशहाल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए उत्तराखंड के मतदाताओं के नाम अपील जारी करते हुए मतदाताओं से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

उत्तराखंड के लिए समाजवादी पार्टी के विजन डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि उत्तराखंड की खुशहाली और प्रगति की नई प्राथमिकताओं के साथ नई हवा है, नई सपा है के जयघोष से समाजवादी पार्टी उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में अपनी भागीदारी कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 21 वर्षों में कांग्रेस-भाजपा की सरकारों ने उत्तराखंड को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना दिया है। समाजवादी पार्टी एक स्वच्छ, पारदर्शी शासन व्यवस्था के साथ विकासशील उत्तराखंड प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषकर पलायन और बेरोजगारी से निपटने के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। शिक्षा, कृषि, उद्योग क्षेत्र में जनहितकारी नीतिगत निर्णय लिए जाएंगे। भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन दिया जाएगा।

समाजवादी पार्टी उत्तराखंड से पलायन को रोकने के लिए पर्यटन को उद्योग का दर्जा देगी तथा पर्वतीय क्षेत्रों में होटल या रिजार्ट बनाने हेतु भूमि उपलब्ध कराएगी। समाजवादी पार्टी उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सभी जिलों अस्पतालों को उच्चीकृत करेगी तथा प्राइमरी स्वास्थ्य केंद्र ब्लॉक स्तर पर बनाएगी।

समाजवादी पार्टी हर जिले में कुल सिडकुल की स्थापना करेगी। इसमें स्थानीय उपलब्ध कच्चे माल से उद्योग चलाया जाएगा। शिक्षा की गुणवत्ता के लिए सभी महाविद्यालयों तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आधुनिक उपकरणों से प्रयोगशाला तथा पुस्तकालयों की स्थापना की जाएगी।

श्समाजवादी पार्टी उत्तराखण्ड में नई कृषि नीति लागू करेगी ताकि मैदानी क्षेत्र तथा पर्वतीय क्षेत्र की किसानों को लाभ मिल सके। पर्वतीय क्षेत्रों में भूबन्दोबस्त प्रथम दो वर्षों में पूरा किया जाएगा। बंद पड़ी विद्युत परियोजनाओं को चालू कर उत्तराखण्ड को विद्युत प्रदेश बनाया जाएगा।

उत्तराखंड वासियों को प्रतिमाह एक गैस सिलेंडर और बिजली पानी के बिलों में 50 फीसदी की छूट दी जाएगी। चाय बागानों, के पुनर्जीवित किया जाएगा। टी-बोर्ड की स्थापना की जाएगी। नैनीताल उच्च न्यायालय की एक बेंच की स्थापना देहरादून में की जाएगी। प्रदेश के पट्टे धारकों तथा नजूल की भूमि में काबिज परिवारों के पट्टों पर काबिज लोगों को मालिकाना हक दिया जाएगा। जंगली जानवरों के हमले से किसी की मृत्यु पर 25 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा।

से पीजी तक मुफ्त करने का वादा करते हुए कन्या विद्या धन योजना दोबारा शुरू करने और इसके अंतर्गत 12वीं पास के उपरांत लड़कियों को ₹36000 रुपए देने का वादा भी किया गया है।

छात्रों को लैपटॉप

वचन पत्र में इंटर पास छात्रों को लैपटॉप देने का वादा करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने जब भी कोई वादा किया है तो उसे निभाया है।

पुरानी पेंशन होगी बहाल

वचन पत्र में सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने का भी वादा किया गया है।

गरीबों का कैशलेस इलाज

समाजवादी पार्टी ने वचन पत्र में श्रमिक सशक्तिकरण के लिए डायल 1890 मजदूर पावर लाइन की स्थापना करने की घोषणा की है। यह राज्य के भीतर एवं बाहर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों, मजदूरों की समस्याओं का निदान करेगी। कैशलेस स्वास्थ्य सर्विस के द्वारा सभी गरीबों को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का वादा भी वचन पत्र में किया गया है।

सालाना 18 हजार समाजवादी पेंशन

सामाजिक न्याय के लिए समाजवादी पार्टी ने समाजवादी पेंशन योजना को पुनः जारी करने का वादा करते हुए इसके अंतर्गत वृद्धों, जरूरतमंद महिलाओं एवं विभिन्न परिवारों को प्रति वर्ष ₹18000 देने का वादा किया है। वचन पत्र में सिंगल रूफ क्लीयरेंस सिस्टम लाने का वादा किया गया है। समाजवादी पार्टी ने सभी गांवों एवं शहरों में फ्री वाईफाई जोन स्थापित करने का वादा किया है।

10 रुपए में खाने की थाली

समाजवादी पार्टी ने समाजवादी कैंटीन में किराना स्टोर स्थापित करने का वादा करते हुए कहा कि गरीब, श्रमिकों राजगीर, बेघरों को सब्सिडाइज दरों पर राशन एवं अन्य जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी। इन कैंटीन में ₹10 में समाजवादी थाली की व्यवस्था की जाएगी।

एक ही नारा भाईचारा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को जरूरी मुद्दों से भटका कर अप्रासंगिक विषयों पर केंद्रित करने कि भाजपा की कोशिशें परवान नहीं चढ़ पाईं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाईचारा को चुनाव का मुख्य मुद्दा बना दिया है जिस पर जनता की भी जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। चुनाव अभियान को जनता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित करने और आपसी भाईचारे को प्राथमिकता देने की श्री अखिलेश यादव की मुहिम पर पेश है यह ***विशेष रिपोर्ट:***

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के शुरुआती चरणों के प्रचार अभियान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इस चुनाव को भाजपा बनाम भाईचारा का नारा देकर बड़ी आबादी को बरगलाने की भाजपा की कोशिशों को नाकाम कर दिया है।

चुनाव के पहले दो चरणों के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया श्री जयंत चौधरी के साथ साझा कार्यक्रमों में श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी गठबंधन की सरकार बनने पर लोगों की जिंदगी को खुशहाल बनाने को चुनाव की धुरी बना दिया है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में श्री अखिलेश यादव और श्री जयंत चौधरी की जुगलबंदी को जनता ने खूब पसंद किया है जिससे स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि इस बार समाजवादी पार्टी गठबंधन ऐतिहासिक जीत के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

श्री अखिलेश यादव और श्री जयंत चौधरी ने 4 फरवरी को आगरा में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विधानसभा चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने की अपील की। दोनों नेताओं ने समाजवादी विजय रथ यात्रा से मतदाताओं के बीच पहुंचकर भी गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने के लिए समर्थन मांगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता नफरत की राजनीति और समाज के बांटने वालों का सफाया करेगी।

गठबंधन को ऐतिहासिक समर्थन मिल रहा है, इसीलिए भाजपा घबराई हुई है। हम लोग काम करने वाले हैं, भाईचारा बढ़ाने वाले हैं और विकास करने वाले हैं।

श्री जयंत चौधरी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जो सामाजिक लड़ाई लड़ी, संविधान दिया, उससे नागरिकों को अधिकार मिले, उन अधिकारों को बचाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए यही गठबंधन एकमात्र विकल्प है। बुलडोजर की धमकी और गर्मी

SALE BAZAR

निकाल देने जैसी भाषा से उत्तर प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश के किसान और नौजवान दोनों सकारात्मक बदलाव चाहते हैं। हमने जो गठबंधन बनाया है, वह सामाजिक समीकरण है। हम किसानों नौजवानों और सभी वर्गों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि भाजपा सरकार ने जो अन्याय और अत्याचार किया है, उसमें न्याय दिलाएंगे। यह चुनाव वोट के जरिए लोकतंत्र को बचाने का मौका है।

श्री अखिलेश यादव एवं श्री जयंत चौधरी ने 3 फरवरी को संयुक्त रूप से बुलंदशहर एवं गौतमबुद्ध नगर जनपदों का दौरा किया। समाजवादी विजय रथ से दोनों नेताओं ने स्याना, अनूप शहर, शिकारपुर, सिकंदराबाद, खुर्जा, नोएडा विधानसभा क्षेत्रों में सघन जनसम्पर्क भी किया। बुलन्दशहर में संयुक्त प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए दोनों नेताओं ने गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन के पक्ष में हवा चल रही है। इसी से भाजपा के लोग और मुख्यमंत्री जी परेशान हैं।

यूपी में भाजपा के दरवाजे बंद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 7 फरवरी को सहारनपुर में प्रेसवार्ता के साथ कार्यकर्ता सम्मेलन एवं 5 फरवरी को अलीगढ़ में ने प्रेसवार्ता में कहा कि जब से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयंत चौधरी से गठबंधन हुआ है तबसे भाजपा के दरवाजे बंद हो गए हैं। जनता का समर्थन हमें मिल रहा है। यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि यह चुनाव भाईचारा बनाम भाजपा है। भाजपा लोगों को तोड़ना चाहती है। हम सबको जोड़ना चाहते हैं। भाजपा नफरत की राजनीति करती है। हम इसका जवाब नौकरियों से देंगे। हम भाईचारा, किसानों की बेहतरी और रोजगार के नाम पर चुनाव लड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि 5 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा को अपने काम गिनाने के लिए दाएं-बांए के मुद्दे उठाने पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा से लोकतंत्र और संविधान को खतरा है। सभी समाजवादियों के साथ अम्बेडकरवादियों से भी अपील है कि वे संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी-गठबंधन का साथ दें, इसके प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताएं। लोग परिवर्तन चाहते हैं। किसान, नौजवान, व्यापारी और महिलाएं इस बार भाजपा का सफाया करेंगे। सपा गठबंधन की सरकार में गन्ना किसानों के गन्ने का बकाया 15 दिन के भीतर भुगतान के लिए किसान कार्पस फंड बनाएंगे। हर फसल के लिए एमएसपी सुनिश्चित करेंगे।

श्री यादव ने मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों को गुंडा कहने से पहले खुद को आईने में देख लें। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर बड़ी संख्या में गंभीर मुकदमे हैं। सरकार ने इन आपराधिक मुकदमों को खुद ही वापस ले लिया। सबसे ज्यादा माफिया और अपराधी भाजपा में हैं। भाजपा ने गंभीर अपराधों के आरोपियों को बड़ी संख्या में टिकट दिए हैं। मुख्यमंत्री विधानसभा में भी असंसदीय शब्दों का प्रयोग करते हैं। जनता के बुनियादी सवालों से बचने के लिए इसी तरह की भाषा बोलते हैं। मुख्यमंत्री गर्मी निकालने की बात करते हैं, क्या वह फ्रिज का कंप्रेसर हैं?

उनको समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। इसलिए उनकी भाषा बदल गई है। मुख्यमंत्री गर्मी की बात कर रहे हैं और हम भरोसा दिलाते हैं कि गठबंधन की सरकार बनेगी तो गर्मी नहीं नौजवानों को नौकरी देने के लिए भर्ती निकाली जाएगी। यह चुनाव भाईचारा बनाम भाजपा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह का ऐतिहासिक समर्थन मिल रहा है, उससे तय है कि इस बार ऐतिहासिक जीत भी होने जा रही है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि असल देशभक्त तो हम लोग हैं। सभी को साथ लेकर चलते हैं और सब का सम्मान करते हैं। जो नफरत फैलाए, समाज में खाई पैदा करें और लोगों में झगड़ा लगाए वह कैसा देशभक्त है?

श्री जयंत चौधरी ने कहा है कि गठबंधन के प्रति लोगों का भरोसा और विश्वास बढ़ा है। हमारी एकता से किसान, नौजवान में उम्मीद जगी है। इससे भाजपा की बौखलाहट बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी जी और अन्य नेता बौखलाए हुए हैं। इसलिए इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की गरिमा होती है। हमने किसी भी मुख्यमंत्री से इस तरह की भाषा कभी नहीं सुनी थी।

यह चुनाव भाईचारा बनाम भाजपा है। जिस तरह का ऐतिहासिक समर्थन मिल रहा है, उससे तय है कि इस बार ऐतिहासिक जीत भी होने जा रही है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि असल देशभक्त तो हम लोग हैं। सभी को साथ लेकर चलते हैं और सब का सम्मान करते हैं

2 फरवरी को शामली में सम्पन्न संयुक्त प्रेसवार्ता में दोनों नेताओं ने मतदाताओं से गठबंधन प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। दोनों नेताओं ने कांधला, ऐलम, बड़ौत, बागपत और गाजियाबाद जिले के लोनी में गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में जनसम्पर्क का कार्यक्रम भी किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी और जयंत चौधरी की दोस्ती बहुत मजबूत है, लोग हमारी एकता और भाईचारा को पसंद कर रहे हैं, इसी से भाजपा बौखलाई

हुई है और परेशान है। किसान, नौजवान व्यापारी, भाजपा की नकारात्मक राजनीति को हटाना चाहते हैं। गठबंधन के प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से जिताने की अपील करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब से गठबंधन को भारी समर्थन मिल रहा है भाजपा के तोते उड़े हुए हैं। इस बार किसान महसूस कर रहा है कि यह उसके मान सम्मान का चुनाव है।

श्री जयंत चौधरी ने कहा कि जो लोग आज किसानों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्होंने कभी सम्मान नहीं दिया। नौजवानों को रोजगार नहीं दिया। आज सभी जाति, वर्ग का समर्थन गठबंधन के साथ है। नौजवान उम्मीद और विश्वास के साथ गठबंधन के साथ खड़ा है।

29 जनवरी को श्री अखिलेश यादव और श्री जयंत चौधरी ने गाजियाबाद में संयुक्त प्रेसकांफ्रेंस में अन्न जल संकल्प लेते हुए कहा कि हम लोग चौधरी चरण सिंह जी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए किसानों-नौजवानों को अपमानित करने वाली भाजपा को हरायेंगे और हटायेंगे। हम लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति खत्म करके प्रदेश में भाईचारा और गंगा-जमुनी तहजीब के रास्ते खुशहाली और विकास की ओर ले जाना चाहते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो माहौल दिखाई दे रहा है उससे भरोसा होता है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है। यहां समाजवादी पार्टी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। किसानों को जो लोग आतंकवादी, मवाली कहते थे, उनके आंदोलन में बाधाएं डाल रहे थे, अंततः वे किसानों के हिमायती होने का ढोंग कर रहे है। श्री जयंत चौधरी ने कहा कि हम लोगों का

मुकाबला अफवाह फैलाने वाले, नफरत फैलाने वालों और झूठ फैलाने वालों से है। अखिलेश यादव के पास अनुभव है, और विजन है उत्तर प्रदेश को आगे ले जाने का। श्री जयंत चौधरी ने कहा कि हमारी घोषणाएं सच्ची हैं और हम उत्तर प्रदेश को झूठ मुक्त सरकार देंगे।

28 जनवरी को मुजफ्फरनगर में श्री अखिलेश यादव एवं श्री जयंत चौधरी ने प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हम चौधरी चरण सिंह जी को याद कर रहे हैं जिन्होंने किसानों की सम्पन्नता का सपना देखा था। हम चौधरी साहब की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 के चुनावों से किसानों, नौजवानों का भविष्य तय होना है। भाजपा के नकारात्मक सोच को नकारने का भी यह समय है। उन्होंने कहा वे अपने साथ लाल टोपी और लाल पोटली लेकर चलते हैं। अन्नदाता के पक्ष में 'अन्न संकल्प' लेकर समाजवादी पार्टी किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ रही है। श्री जयंत चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। भाजपा का सफाया होगा। हम दोनों मिलकर किसानों और कमेरा वर्ग की खुशहाली के लिए काम करेंगे।

करहल में अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 31 जनवरी को मैनपुरी के कलेक्ट्रेट में पीठासीन अधिकारी के समक्ष करहल विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, पूर्व सांसद श्री धर्मेन्द्र यादव एवं श्री तेज प्रताप यादव, स्थानीय विधायक श्री सोबरन सिंह उनके साथ थे। श्री अखिलेश यादव सैफई से विजय रथ पर सवार होकर मैनपुरी तक पहुंचे। पूरे रास्ते में जगह-जगह उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ।

नामांकन के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी से नेताजी और समाजवादी पार्टी का पुराना रिश्ता रहा है। यहां के लोगों ने हमेशा समाजवादी पार्टी के साथ खड़े

उन्होंने कहा कि अपना चुनाव पार्टी के नेताओं और स्थानीय जनता पर छोड़ दिया है। मौका मिलने पर आएंगे, तो लोगों ने कहा कि वे निश्चिंत रहे जनता उन्हें विशाल बहुमत से जिताएगी। भाजपा की हर साजिश का जनता जवाब देगी।

होकर सकारात्मक राजनीति को आगे बढ़ाया है और नकारात्मक राजनीति को पीछे किया है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे करहल से चुनाव जिताने के साथ आसपास की सीटों पर भी समाजवादी पार्टी को मौका दें।

श्री यादव ने पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यहां ऐतिहासिक चुनाव परिणाम के साथ खुशहाली आएगी। जो लोग नकारात्मक राजनीति कर रहे है उन्हें यहां की जनता सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि अपना चुनाव पार्टी के नेताओं और स्थानीय जनता पर छोड़ दिया है। मौका मिलने पर आएंगे, तो लोगों ने कहा कि वे निश्चिंत रहे जनता उन्हें विशाल बहुमत से जिताएगी। भाजपा की हर साजिश का जनता जवाब देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा अपराधी भाजपा में हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के ऊपर गम्भीर मुकदमे रहे हैं यह भाजपा के लोग खुद नहीं बता पाएंगे। अपराधियों को लेकर भाजपा को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने संविधान विरोधी काम किया है। किसानों, नौजवानों, दलितों, पिछड़ों, महिलाओं के साथ धोखा किया है। जनता भाजपा के झूठ और धोखे का सफाया करेगी। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी। कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली चाहते हैं और मुख्य सचिव बैठक करके नई पेंशन के फायदे बता कर गुमराह कर रहे हैं। समाजवादी सरकार बनने पर 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त दी जाएगी। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त दी जाएगी। माताओं बहनों को समाजवादी पेंशन

कार्यालय
जिलाधिकारी मैनपुरी

18000 रुपए प्रतिवर्ष दी जाएगी।

6 फरवरी कोश्री अखिलेश यादव ने आगरा जनपद के बाह और एत्मादपुर के बाद मैनपुरी में अपने निर्वाचन क्षेत्र करहल में कार्यकर्ता सम्मेलनों को सम्बोधित किया और और सघन जनसम्पर्क किया। उन्होंने हर जगह समाजवादी पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की पुरजोर अपील की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। पहले चरण से ही भाजपा का सफाया होगा। पश्चिम में भाजपा का सूरज डूब जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 में ऐतिहासिक बदलाव होगा। जनता भाजपा का सफाया करेगी। जनता इनकी साजिशों को नाकाम करेगी और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी।

भाजपा बंगाल की तरह यूपी में भी हारेगी - ममता

बुलेटिन ब्यूरो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के किसानों, नौजवानों, माताओं, बहनों और अल्पसंख्यक सभी से अपील की कि वे एकजुट होकर श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी की मदद करें। उन्होंने कहा है कि यह उत्तर प्रदेश की इज्जत की लड़ाई है और भाजपा हिन्दुस्तान के लिए खतरा पार्टी है।

विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के समर्थन में लखनऊ पहुंचीं सुश्री ममता बनर्जी ने दिनांक 8 फरवरी को समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ से वर्चुअल सम्बोधन में कहा कि श्री अखिलेश यादव स्वयं इस लड़ाई को लड़ने में सक्षम हैं। हम सभी उनकी मदद करेंगे। जैसे पश्चिम बंगाल में भाजपा हारी है वैसे ही उत्तर प्रदेश में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी बाद में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश की जनता से एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को जिताने और भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने की पुरजोर अपील की।

श्री अखिलेश यादव ने सुश्री ममता बनर्जी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने के बाद अब भाजपा के झूठ का जहाज उत्तर प्रदेश नहीं आ पाएगा और उन्हें पश्चिम बंगाल की हार याद आ गई होगी। श्री यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सुश्री ममता बनर्जी ने साम्प्रदायिक तत्वों को हराने का काम किया। उनकी जीत से नारीशक्ति का सम्मान बढ़ा है।

श्री यादव ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस और गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की धरती से दीदी का आज हमारे साथ

आना गर्व की बात है। ममता जी के आने से भाजपा के संकट के बादल और भी गहरे हो गए हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने अपने 50 मिनट के वर्चुअल सम्बोधन में सर्वप्रथम श्री अखिलेश यादव के प्रति अपने पश्चिम बंगाल के चुनाव में मदद के लिए शुक्रिया अदा की। उन्होंने कहा कि आज देश को बचाना है। मैं यह कहने को आई हूं कि मेरे भाई अखिलेश यादव को सभी लोग चुनाव में पूरी मदद करें। भाजपा को हटाइए। यूपी से भाजपा गई तो देश से भाजपा का सफाया हो जाएगा।

सुश्री बनर्जी ने कहा कि भाजपा पहले माफी मांगे फिर वोट मांगे। किसान आंदोलन में शहीद किसानों के लिए, हाथरस कांड के लिए, उन्नाव में बेटी के साथ दुष्कर्म के लिए, कोरोना काल में गंगा में लाशें बहाने के लिए भाजपा माफी मांगे। उन्होंने कहा कि जब 7 साल से केंद्र में भाजपा सरकार है और फिर 5 साल की उत्तर प्रदेश सरकार है तो भाजपा के घोषणा पत्र की क्या जरूरत है। वे काम करके दिखाते क्यों नहीं? अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए? जब कोविड में लोग मर रहे थे।

सुश्री ममता बनर्जी ने कहा कि जनता से टैक्स में वसूले पैसे से भाजपा सरकार ने राशन बांटा, टीके लगाए और उनको मुफ्त का बता दिया। पीएम केयर फंड में जमा पैसा कहां खर्च हुए, बताते नहीं है। भाजपा जैसे कुछ लोग है जो मौसम में कोयल की तरह आते हैं फिर चुनाव बाद गायब हो जाते हैं। ऐसे लोगों को यूपी वाले वोट देकर अपना वोट खराब न करें।

सुश्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा साम्प्रदायिक राजनीति करती है। आप यूपी से भाजपा को हटाइए हम दिल्ली से उसे भगा देंगे। भाजपा डराएगी पर हमें डरना नहीं है। उन्होंने कहा श्री अखिलेश यादव स्वयं इस लड़ाई को जीतने में सक्षम हैं, हम सभी सीनियर नेता उनकी मदद करेंगे। उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव जीते तो उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल मिलकर उद्योग लगाएंगे और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देंगे।

उन्होंने कहा वे 3 मार्च 2022 को वाराणसी आएंगी। सुश्री ममता बनर्जी ने अपने भाषण का अंत वंदे मातरम के जयघोष से किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल भी मौजूद थे।

15 दिन में गन्ना किसानों का भुगतान किया जाएगा

मेधावी छात्रों को फिर मिलेगा फ़्री लैपटॉप

प्रति वर्ष गरीब वृद्धों जरूरत मंद महिलाओं एवं बीपीएल परिवारों को 18000 रूपए समाजवादी पेन्शन दी जाएगी

समाजवादी कैंटीन में ₹10 में थाली की व्यवस्था की जाएगी।

समाजवादी कैंटीन, समाजवादी किराना स्टोर स्थापित किए जाएंगे

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए 2005 से पहले वाली पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू किया जाएगा

प्रत्येक फसल के लिए MSP प्रदान की जाएगी

"एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट" से मनरेगा की तर्ज पर रोजगार की होगी व्यवस्था

आईटी सेक्टर में 22 लाख रोजगार देने की व्यवस्था

फर्जी मुद्दों की गर्मी निकाल रहे हैं समाजवादी मुद्दे

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार फर्जी मुद्दों को गरमा रहे हैं तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव फर्जी मुद्दों की गर्मी निकाल कर असली मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। यही लोकतंत्र के हित में है और इसी में प्रदेश समाज और देश का कल्याण है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पार्टी के बड़े नेता निरंतर अपनी नकारात्मक बातों से प्रदेश का वातावरण बिगाड़ रहे हैं। उनका यह कहना कि कैराना और मुजफ्फरनगर में आजकल बहुत गर्मी चढ़ी हुई है उसे 10 मार्च के बाद उतार दिया जाएगा तो वे भी लोगों को डराने धमकाने और फर्जी किस्म की बहस खड़ी करते हैं।

वहीं देश के गृह मंत्री अमित शाह पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता को उन दंगों की याद दिला रहे हैं। जिन दंगों को उस क्षेत्र की जनता भूल कर नए सिरे से सामाजिक गठबंधन बनाना चाहती है उन दंगों को याद दिलाकर धार्मिक आधार पर समाज का विभाजन करके वे वोट हासिल करना चाहते हैं। क्या यह राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा नहीं है।

जाटों ने अंग्रेजों से भी लड़ाई लड़ी और आज जब दिल्ली में एक अन्यायी सत्ता ने किसानों पर तीन काले कानून थोप दिए तब भी लड़ी। इसलिए वह लड़ाई खेती किसानी के असली मुद्दों के आधार पर लड़ी गई न कि जाति और धर्म के आधार पर। उसने चौधरी चरण सिंह और महेंद्र सिंह टिकैत की भाईचारे की विरासत को बहाल कर दिया।

भाजपा का यह दावा कि अब प्रदेश में बेटियां सुरक्षित हैं एक नकली किस्म का दुष्प्रचार है। प्रदेश में बेहतरीन कानून व्यवस्था होने की कहानी भी सही नहीं है। आखिरकार भाजपा के अपराधी उम्मीदवारों का आंकड़ा लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। इसकी पुष्टि एडीआर जैसी संस्थाएं कर रही हैं कि सबसे ज्यादा अपराधियों को टिकट भाजपा ने दिए हैं। यहां उन लोगों का हिसाब ही नहीं रखा गया है जिन पर भाजपा ने अपने शासन काल में आपराधिक मुकदमे वापस ले लिए हैं। दूसरी ओर यहां विपक्षी दलों के उन उम्मीदवारों को भी अपराधियों की श्रेणी में डाल दिया गया है जिन पर इस सरकार ने फर्जी मुकदमे लगा दिए हैं।

फाइल फोटो

समाजवादी पार्टी और उसके नेता जहां इन फर्जी मुद्दों को गरमाने से रोक रहे हैं वहीं वे ठोस और वास्तविक मुद्दों को खड़ा भी कर रहे हैं। यानी एक तरफ वे नकली विवादों की गर्मी निकाल रहे हैं तो दूसरी ओर असली मुद्दों की मसाल जला रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय लोकदल से मिलकर एक व्यापक राजनीतिक और सामाजिक गठजोड़ बनाना चाहा है तो यह एक बड़ी लकीर खींचने का प्रयास है।

इस चुनाव में वास्तविक मुद्दा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा और उसके दायरे में रहते हुए प्रदेश में किसानों, बेरोजगारों और मजदूरों की स्थिति में सुधार करने का है। उसी के साथ अमन चैन कायम रहते हुए सामाजिक बदलाव भी करते रहना है। यहां पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की यह बात अहम है कि " आंबेडकरवादी समाजवादियों के साथ आएं क्योंकि हमें संविधान और लोकतंत्र बचाना है। अगर वे नहीं बचे तो सोचिए हमारे अधिकारों का क्या होगा?"

इस चुनाव में वास्तविक मुद्दा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा और उसके दायरे में रहते हुए प्रदेश में किसानों, बेरोजगारों और मजदूरों की स्थिति में सुधार करने का है। उसी के साथ अमन चैन कायम रहते हुए सामाजिक बदलाव भी करते रहना है

यह एक बड़ा मुद्दा है और इसको लेकर भारत के सभी लोकतांत्रिक लोग ही नहीं पूरी दुनिया चिंतित है। समाजवादी पार्टी ने उस असली मुद्दे की ओर जनता का ध्यान खींचा है। भाजपा के नेता चुनाव प्रचार में जो बातें कर रहे हैं वह संविधान की भावना के विरुद्ध है। उनके भाषणों में एक बार भी संविधान और उसके मूल्यों का उल्लेख नहीं होता है। यही कारण है अस्सी बनाम बीस की इस कथित लड़ाई को अस्सी बनाम पंद्रह बनाते हुए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का वास्तविक मुद्दा उठाया गया है। सपा और उसके गठबंधन के सहयोगियों ने इसे बहुजन का मुद्दा बना दिया है इसे अमीर और गरीब का मुद्दा बना दिया है। इसे शोषक और शोषित का मुद्दा बना दिया है। इसे किसानों को इंसाफ देने बनाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने का मुद्दा बना दिया है। इसे आरक्षण व्यवस्था को कायम रखने या उसे निजीकरण की आंधी में बहा देने का मुद्दा बना दिया है।

डबल इंजन की कथित सरकार लगातार दावा करती रही है कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जाएगी। अखिलेश यादव ठीक ही कहते हैं कि अब मौजूदा

भाजपा की सोच नकारात्मक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा चुनाव का एजेंडा बदलना चाहती है। जबकि समाजवादी लोग संविधान के साथ हैं। भाजपा को लोकतंत्र, संविधान और समाजवाद इन तीनों से परहेज है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पॉजिटिव और प्रोग्रेसिव पॉलिटिक्स कर रही है। हम भाजपा की तरह नेगेटिव राजनीति नहीं करते हैं। हम तमाम लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे हैं। जिससे कि सभी वर्ग के लोगों को आगे लाया जाए और बढ़ाया जाए। सपा गठबंधन के साथ प्रदेश की 80 फ़ीसदी जनता है। जो 20 फ़ीसदी बचे थे, वह भी हमारे साथ आ रहे हैं। प्रदेश की 100 फ़ीसदी जनता मिलकर इस बार भाजपा का सफाया कर देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गांधी जी अंत्योदय के हिमायती थे जबकि भाजपा गरीबों के विरूद्ध साजिश रचती है। उसका पूरा रवैया नकारात्मक सोच से भरा है। भाजपा को सामाजिक मूल्यों, स्वतंत्रता संघर्ष और उसके प्रतीकों सभी से एलर्जी है और उसे सिर्फ और सिर्फ सत्ता की भूख है। सत्ता पाने के लिए वह किसी स्तर तक जा सकती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में जनहित के सभी मुद्दों से दूरी रखी जा रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, कर्मचारी सहित समाज के सभी वर्ग परेशान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वर्ष 2022 में लोकतंत्र की बड़ी लड़ाई लड़ी जानी है। मतदाताओं को बहकाने और गुमराह करने की साजिशें होंगी। हम हर चैलेंज के लिए तैयार है। सच को तैयारी की जरूरत नही पड़ती है।

उन्होंने कहा कि हमें बड़े मन से काम करना है। समाजवादी पार्टी जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए संकल्पित है। भाजपा सिर्फ चुनाव लड़ती है, विकास तथा जनहित से उसका तनिक भी लेना देना नहीं है। भाजपा की रणनीति चुनाव को जटिल बनाने और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करने की है। लोकतंत्र में भाजपा का आचरण हर तरह से अमर्यादित और लोकलाज से परे है।

उन्होंने कहा कि इसमें दो राय नहीं कि 2022 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। संवैधानिक संस्थाओं को भाजपा सरकार ने जानबूझकर कमजोर किया है। भाजपा की रैलियों में सरकारी साधनों का पूरी तरह दुरुपयोग करने के बाद भी समाजवादी विजय रथ यात्रा का भाजपा मुकाबला नहीं कर सकी। सपा की सफल रैलियों से डरी भाजपा अब साजिशों में जुट गई है लेकिन भाजपा पवेलियन से बाहर जा चुकी है। 2022 का चुनाव लोकतंत्र के साथ विकास के लिए भी हो रहा है। समाजवादी पार्टी की जीत से ही खुशहाली और समृद्धि के रास्ते खुलेंगे।

सरकार और उसके नेता एक भी भाषण में किसानों की आय दोगुनी करने की बात नहीं करते। क्योंकि वे वैसा कर नहीं पाए। उल्टे तीन कृषि कानूनों के माध्यम से वे किसानों की तबाही का सामान ले आए थे। लेकिन किसान जाग गए और समाजवादी पार्टी समेत किसान संगठनों ने बढ़चढ़कर उनका विरोध किया और सरकार उन कानूनों को वापस लेने को मजबूर हुई।

समाजवादी पार्टी के नेता और उसके कार्यकर्ताओं ने किसान आंदोलन को सदैव समर्थन दिया और सबसे पहली गिरफ्तारी दी। उसके कार्यक्रमों से जाहिर है कि वह किसानी के मुद्दे को असली मुद्दा मानती है। सपा ने एलान किया है कि किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त में बिजली दी जाएगी। सपा का यह एलान भी अहम है कि शहीद किसानों के परिवारों को 25 लाख की राशि दी जाएगी।

जिस समाजवादी पार्टी के पांच साल के शासन को प्रधानमंत्री तबाही का शासन बताने से नहीं चूकते, दरअसल उसी के शासन में रोजा थर्मल प्लांट , अनपरा डी प्लांट, एटा में सुपरक्रिटिकल प्लांट, मिर्जापुर के सोलर प्लांट, ललितपुर, महोबा, झांसी, मैनपुरी के सोलर प्लांट की शुरुआत हुई। अपने विकास कार्यों का यही आत्मविश्वास समाजवादी पार्टी को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का हौसला प्रदान करता है। समाजवादी ने अपने शासन में बिजली वितरण की भी व्यापक व्यवस्था की थी।

प्रदेश में बेरोजगारी सबसे अहम मुद्दा है। योगी सरकार रोजगार देने के बहुत सारे दावे करती है लेकिन जब भी नौकरी देने वाली कोई परीक्षा आयोजित होती है तो उसका परचा ही लीक हो जाता है। इस तरह परीक्षा रद्द हो जाती है। ऐसा तकरीबन एक दर्जन बार हो चुका है। ताकि नौकरी न देनी पड़े और लोगों की उम्मीद भी बरकरार रखी जाए। इसी मुद्दे पर अखिलेश यादव का यह बयान मौजूं है कि यूपी में बेरोजगारी बनी है आत्महत्या की वजह। यह सरकार कोरोना काल के सच को झुठलाकर चुनाव में व्यस्त रही। उससे निरंतर युवाओं में बेरोजगारी बढ़ रही है। इसीलिए सपा ने अपने संकल्प पत्र में कहा है कि अगर उसकी सरकार बनी तो आईटी के क्षेत्र में 22 लाख रोजगार सृजित किए जाएंगे।

जहां तक कानून और व्यवस्था के मामले में योगी सरकार का दावा है तो उसकी हकीकत उस समय उजागर हो जाती है जब हाथरस की बलात्कार पीड़िता को आधी रात के समय पुलिस सुरक्षा में जला दिया जाता है और उसके परिवार को उसका अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक करने की अनुमति नहीं दी जाती। अखिलेश यादव ठीक ही कहते हैं कि यह सरकार बुल और बुलडोजर के माध्यम से अत्याचार करती रही है। अगर सपा सत्ता में आई तो उसे मिटाएगी।

वास्तव में समाजवादी पार्टी और उसका नेतृत्व नकली मुद्दों को दरकिनार करके उन मुद्दों को उठाने में लगा है जिनमें प्रदेश और देश का कल्याण और हित है। यही वजह है कि एक ओर जहां किसानों, युवाओं और मजदूरों के मुद्दों को उठाया जा रहा है वहीं देश की सुरक्षा से जुड़े वास्तविक मुद्दों की ओर ध्यान खींचा जा रहा है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने का सवाल तो है ही। सपा और उसके साथ गठबंधन में शामिल नेता बहुत शालीन तरीके से जनता का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं और उसे भावनाओं में बहकने से बचा रहे हैं।

निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश का चुनाव यह तय करेगा कि जनता को धर्म, आस्था और पुराने वैर भाव के फर्जी मुद्दों में उलझाकर बांटा जा सकता है या आजादी, भाईचारा और इंसाफ के महान मूल्यों की रक्षा करते हुए समता और समृद्धि के लक्ष्य को पाया जा सकता है। उम्मीद की जा सकती है कि जनता का विवेक समता, समृद्धि और भाईचारे का रास्ता चुनेगा।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

फाइल फोटो

फोटो स्रोत : गूगल

सीएम की अमर्यादित भाषा शैली

चुनाव आयोग से शिकायत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग को 3 फरवरी को लिखे पत्र के माध्यम से कहा है कि विधानसभा चुनाव के प्रचार में सत्ता पक्ष भाजपा के मुख्यमंत्री विपक्ष के प्रति जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं वह मर्यादित, संयत और भद्र भाषा की श्रेणी में नहीं आता है। लोकतंत्र में इस तरह की भाषा का कोई औचित्य नहीं है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी आदर्श आचार संहिता का पालन कर रही है। जबकि भाजपा के नेता और मुख्यमंत्री जी अपने अमर्यादित बयानों से लोकतंत्र की पवित्रता को प्रभावित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने एक भाषण में '10 मार्च के बाद बुलडोजर चलेगा' की धमकी दी।

इसके अतिरिक्त वे लगातार समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को गुंडा, मवाली, माफिया बता रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने मेरठ जनपद की सभाओं में कहा 'लाल टोपी मतलब दंगाई, हिस्ट्रीशीटर'। मुख्यमंत्री ने कैराना, मुजफ्फरनगर में कहा "जो गर्मी दिखाई दे रही है, ये सब शांत हो जायेगी"। उनके द्वारा "गर्मी कैसे शान्त होगी मैं जानता हूं' जैसी अलोकतांत्रिक भाषा का प्रयोग किया गया है। वे लगातार धमकाने वाली भाषा बोल रहे हैं।

पत्र में कहा गया है कि आयोग इस बात से सहमत होगा कि चुनाव प्रचार की गहमागहमी में भी अपने विपक्षी के प्रति अशालीन भाषा को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है। खासकर मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से तो मर्यादाविहीन भाषा-व्यवहार की कतई उम्मीद नहीं की जाती है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और सत्तापक्ष द्वारा आदर्श आचार संहिता का लगातार उल्लंघन चुनाव की निष्पक्षता एवं स्वतंत्रता दोनों पर गहरा आघात करता है।

समाजवादी पार्टी की ओर से इस पत्र में मांग की गई है कि उत्तर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के मुख्यमंत्री को पद की गरिमा के अनुरूप संयमित, मर्यादित और आदर्श आचार संहिता के अनुकूल भाषा के इस्तेमाल के सम्बन्ध में प्रभावी निर्देश तत्काल जारी किया जाए।

आम बजट 2022

अमीरों पर करम गरीबों पर सितम

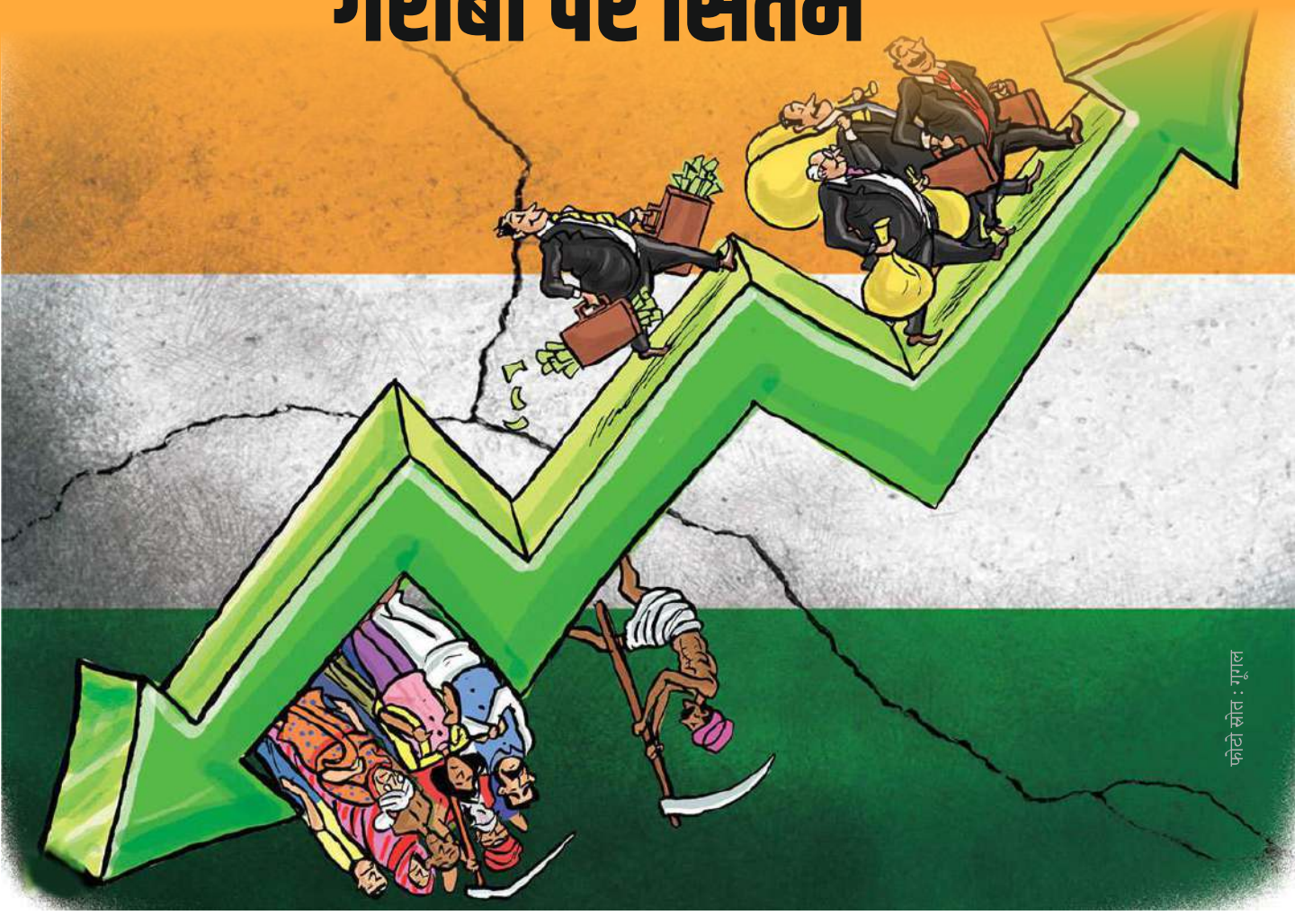

फोटो स्रोत : गूगल

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

सबको भोजन, सबको रोजगार, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त स्वास्थ्य और बुजुर्गों को पेंशन की गारंटी ही समाजवादी सोच है। यह किसी भी सरकार का लक्ष्य होना चाहिए और दायित्व भी। ऐसा करना असंभव नहीं है। यह हो सकता है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रभात पटनायक सुझाते हैं कि अगर शीर्ष की एक प्रतिशत अमीर आबादी पर दो प्रतिशत का संपत्ति कर

(Wealth Tax) और 33.33 प्रतिशत का विरासत कर (inheritance tax) लगा दिया जाए तो ऊपर वर्णित सभी पांच प्रमुख अधिकारों की गारंटी हो जाती है। लेकिन क्या केंद्र सरकार इस दिशा में सोच रही है? आम बजट पर नज़र डालें तो यह सरकार बिल्कुल उल्टी ही दिशा में कदम उठा रही है। कोविड महामारी के दो वर्षों में 84 प्रतिशत परिवारों की आमदनी घटी है और 4.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे पहुंच गये हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति और दयनीय हुई है और अब हमारा देश 116 देशों के बीच 101 नंबर पर खड़ा हो गया है।

आज भी देश में 9 करोड़ टन अनाज का भंडार है। अगर सरकार आम लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाए, उनके खाते में रकम पहुंचाए या किसी और तरीके से उन तक धन पहुंचाए चाहे वह मनरेगा ही क्यों न हो, तो इस अनाज का समुचित वितरण भी हो सकता है और इसके जरिए अर्थव्यवस्था में गति भी लायी जा सकती है।

समाज कल्याण पर महज 1.3 फीसदी खर्च

सामाजिक कल्याण मोदी सरकार के लिए कितनी अहमियत रखता है यह इस बात से पता चलता है कि इस पर कुल बजट का महज 1.31 प्रतिशत आवंटित किया गया है। रकम में यह है 51,780 करोड़ रुपया। खाद्य और मिड डे मील योजना का जिक्र भी जरूरी है। खाद्य सब्सिडी पर खर्च पिछले वर्ष में जहां 2,86,219 करोड़ रुपये था, वहीं उसे घटाकर 2,06,481 करोड़ कर दिया गया है।

वहीं मिड डे मील योजना पर खर्च की राशि 11,500 करोड़ रुपये से घटाकर 10,233 करोड़ कर दी गयी है। महामारी वाले वर्ष में बच्चे स्कूल से दूर हुए हैं। उन्हें वापस स्कूलों में भेजने के लिए यह रकम बढ़ाई जानी चाहिए थी। मगर, ऐसा लगता है कि सरकार के लिए बच्चों की शिक्षा प्राथमिकता में नहीं रह गयी है।

फोटो स्रोत : गूगल

शिक्षा बजट 3% से कम

बीते वर्ष शिक्षा पर बजट 93,224 करोड़ रुपये था और वह भी पूरा खर्च नहीं हो पाया। महज 88,002 करोड़ रुपये ही शिक्षा पर खर्च किए जा सके। अगर 2018 में शिक्षा पर 80,345 करोड़ खर्च हुए थे तो 2021-22 में यह महज 88,002 करोड़ रुपये के स्तर पर ही पहुंच सका। 2022-23 के बजट में शिक्षा पर खर्च 1,04,278 करोड़ रखा गया है। यह आम बजट का 2.9 प्रतिशत है। कुल बजट में शिक्षा की हिस्सेदारी लगभग वही है जो पिछले बजट में थी। बजट से नयी शिक्षा नीति पर अमल कैसे हो सकेगा, यह चिंता का विषय है।

किसानों से बदला ले रही है सरकार?

अमृत महोत्सव वर्ष में किसानों की आमदनी दुगुनी होनी थी जो न हो सकी। लेकिन, इस पर न कोई अफसोस, न कोई चिंता और न ही भविष्य में इस लक्ष्य को पाने के लिए कोई रोडमैप लेकर ही मोदी सरकार सामने आ सकी। उल्टे कृषि बजट पर सरकार उदासीन नज़र आयी। ऐसा तब है जब चुनाव हो रहे हैं और किसानों का वोट लेने के लिए तीन कृषि कानूनों को 13 महीने बाद केंद्र सरकार ने वापस लिया है।

अब एमएसपी पर समिति बनाने की भी घोषणा की है। मगर, राजनीतिक घोषणाओं के अतिरिक्त जमीनी स्तर पर किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार कितनी गंभीर है इसे समझने के लिए आम बजट पर नजर डालना जरूरी हो जाता है।

कृषि बजट में बीते वर्ष के मुकाबले 4.5 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी की गयी है। बीते वर्ष 1,31,531 करोड़ का बजट था लेकिन वास्तविक रूप में 1,26,807.86 करोड़

रुपये ही खर्च हो पाया। 2022-23 के लिए 1,32,513 करोड़ रुपये का कृषि बजट रखा गया है। वास्तव में यह कृषि बजट 2019-20 के मुकाबले 6050 करोड़ रुपये और 2020-21 के मुकाबले 10,249 करोड़ कम है।

कृषि पर आवंटन (करोड़ रुपये में)

वर्ष	बजट आवंटन	वास्तविक खर्च
2019-20	1,38,563	1,09,750
2020-21	1,42,762	1,24,520.3
2021-22	1,31,531	126,807.86
2022-23	1,32,513	(+4.5%)

ऐसा लगता है मानो किसानों से बदला लेने को आमादा है मोदी सरकार। खाद पर सब्सिडी का बजट घटा दिया गया है। यह बीते वर्ष वास्तविक खर्च के मुकाबले 25 फीसदी कम है। फसल बीमा पर खर्च होने वाली सालाना रकम भी कम कर दी गयी है। किसान सम्मान निधि के मद में खर्च यथावत है जिसका वास्तविक मतलब इसका कम हो जाना है। एमएसपी पर खरीद के लिए बजट में बढ़ोतरी नहीं होना भी किसानों के लिए चिंता का सबब है। मतलब साफ है कि यह साल किसानों पर और भारी पड़ने वाला है।

चुपके से घटा दिया रोजगार देने का लक्ष्य

हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार देने का मोदी सरकार का वादा इसलिए उल्लेखनीय हो गया है क्योंकि सरकार ने चुपके से इस वादे को अगले पांच साल में 60 लाख रोजगार देने के रूप में बदल दिया है। मतलब हर साल 12 लाख लोगों को रोज़गार।

निराशाजनक, दिशाहीन बजट

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने केंद्रीय बजट को निराशाजनक बताया है। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि जन सामान्य और विशेष कर किसानों-नौजवानों तथा व्यापारी वर्ग को जो उम्मीदें थी, उन पर पानी फिर गया है। गरीब मध्यम वर्ग परेशान है, भाजपा को उनकी कोई चिंता नहीं है। यह बजट पूरी तरह निराशाजनक, दिशाहीन और महंगाई बढ़ाने वाला है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि काम कारोबार सब हुआ चौपट। ऐतिहासिक मंदी, लाखों लोगों की नौकरी खा गई। आम जनता की आमदनी घट गई। बेकारी बीमारी में बैंकों में जमा सारी बचत निकल गई फिर भी बजट में जनता को कोई राहत नहीं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता महंगाई से परेशान है लेकिन इस बजट में राहत नहीं है। बहुत उम्मीद थी कि आय कर स्लैब में बदलाव होगा लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। केन्द्र की भाजपा सरकार को चिंता सिर्फ बड़े पूंजी घरानों की रहती है, उसकी सारी नीतियां उसके हित की ही बनती हैं।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अभी भी सपने दिखाकर धोखे में जनता को रख रही है। किसानों को बजट में गुमराह करने की कोशिश है।

हालांकि आर्थिक विशेषज्ञों को इसके लिए सुझाए गए उपायों पर भी भरोसा नहीं है।

आजादी के बाद से बेरोजगारी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। 8 प्रतिशत की बेरोजगारी दर चिंता का सबब बन गयी है। लेकिन, बेरोजगारी कम करने की दिशा में काम करती हुई सरकार नहीं दिख रही है। कम से कम बजट देखकर ऐसा नहीं लगता। अमीरों के लिए करों में छूट और राजस्व घाटा कम करने के लिए अप्रत्यक्ष करों में बढ़ोतरी की नीति पर गौर करें।

इससे महंगाई बढ़ेगी और आम लोगों की क्रयशक्ति भी घटेगी। जाहिर है इस कदम से निवेश भी नहीं आएगा और नतीजतन बेरोजगारी और गरीबी में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी।

मनरेगा के बजट में कटौती

बेरोजगारी दूर करने के लिए जहां मनरेगा का विस्तार शहरों में किए जाने की चर्चा हो रही थी, वहीं इस चर्चा से अलग मनरेगा का बजट ही कम कर दिया गया है।

बीते वर्ष आवंटित बजट से अधिक खर्च मनरेगा में हुआ था और यह 98 हजार करोड़ के स्तर पर पहुंच गया था। इस खर्च को बनाए रखने या बढ़ाने की जगह सरकार ने इसे बीते वर्ष के स्तर पर ही रखा है।

इस तथ्य को ध्यान में रखें कि बीते वर्ष भी मनरेगा की रकम जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पायी है और मोटी रकम बकाया है तो मनरेगा के लिए आवंटित बजट अपर्याप्त हो जाती है। मनरेगा के तहत रोजगार बढ़ाने का अवसर बढ़ता नहीं दिखता, बल्कि यह घट जाता है।

मनरेगा का बजट (हजार करोड़ रुपये में)

वर्ष	बजट आवंटन	वास्तविक खर्च
2019-20	60,000	71,002
2020-21	61,500	1,11,500
2021-22	73,000	98,000
2022-23	73,300	

स्वास्थ्य भी प्राथमिकता में नहीं!

महामारी के मौजूदा दौर में भी स्वास्थ्य बजट तकरीबन उतना है जो बीते वर्ष स्वास्थ्य पर वास्तविक खर्च था। बीते वित्त वर्ष में 86,000.65 करोड़ रुपये के वास्तविक खर्च के मुकाबले अब यह 86,200.65 करोड़ रुपये हो गया है। वैक्सीन पर खर्च भी इस बजट में ही शामिल है। हालांकि पिछले बजट अनुमान के मुकाबले यह 16 फीसदी अवश्य ज्यादा है जो 73,932 करोड़ रुपये था।

स्वास्थ्य बजट (हजार करोड़ रुपये में)

वर्ष	बजट अनुमान	वास्तविक खर्च
2019-20	64,999	64,609
2020-21	67,112	82,928
2021-22	73,932	86,000.65
2022-23	86,200.65	

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने 39.45 लाख करोड़ रुपये का जो बजट पेश किया है इसमें उधार समेत कुल प्राप्ति का अनुमान 22.84 लाख करोड़ रुपये है। जाहिर है 16.61 लाख करोड़ रुपये जुटाने होंगे। 2014 के बाद से बीते 7 साल में भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार में 1 ट्रिलियन डॉलर ही जोड़ा जा सका है। जबकि बीते वर्षों पर गौर करें तो हर 6ठे वर्ष में अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना होता रहा है। इस हिसाब से भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन से ज्यादा हो जानी चाहिए थी। मगर, आधिकारिक तौर पर भारत अब 3 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी ही हो सकी है। हालांकि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में देश की इकोनॉमी को 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर ले जाने का उल्लेख नहीं होता।

समाजवादी पार्टी
समाजवादी पार्टी

आधी आबादी से समाजवादियों का पूरा सरोकार

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनाव आते ही भाजपा नेतृत्व महिला सुरक्षा एवं महिलाओं के लिए बेहतर माहौल के झूठे प्रचार से आधी आबादी को बरगलाने में लग गया है लेकिन इसका जरा भी असर पड़ने वाला नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) की रिपोर्ट बताती है कि भाजपा झूठे बयानों के पीछे अपनी करनी छुपा रही है।

भाजपा राज में महिलाएं सबसे ज्यादा अपमानित हुई हैं। बच्चियों तक से दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी है। इससे बड़ा शर्मनाक और अमानवीय कृत्य और क्या हो सकता है।

भाजपा राज में हाथरस की बेटी के साथ जो दुर्व्यहार प्रशासन ने किया उसको भुलाया नहीं जा सकता है। पंचायत चुनावों में सत्ता के भूखे भेड़ियों ने महिला की साड़ी खींचने तक का जघन्य कृत्य किया। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरों के अनुसार उत्तर प्रदेश में सन् 2020 में महिलाओं के साथ दुष्कर्म के 22232 मामले दर्ज हुए, अपहरण के 11057 मामले सामने आए।

भाजपा सरकार महिलाओं और बेटियों के शील और सम्मान की रक्षा में पूर्णतया विफल रही है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब प्रदेश के किसी न किसी जनपद में दुष्कर्म की घटनाएं न घटती हों। नन्हीं मासूम बच्चियां तक दरिंदों के हवस की शिकार बन जाती है। प्रशासन तंत्र महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा में पूर्णतः विफल रहा है।

वहीं समाजवादी सरकार में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा तथा छेड़छाड़ जैसी घटनाओं पर रोकथाम के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक लाने ले जाने के लिए 102 एम्बूलेंस सेवा शुरू की गई थी जिसकी प्रभावी सफलता की प्रशंसा देश विदेश तक हुई थी।

समाजवादी सरकार में कन्या विद्याधन और मेधावी छात्राओं को लैपटॉप देकर उनका भविष्य संवारने का काम हुआ था। छात्राओं को 30-30 हजार रुपए की धनराशि दी गई और बच्चों को मिड-डे-मील में फल-दूध दिया गया। 55 लाख गरीब महिलाओं को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की समाजवादी पेंशन दी गई थी। संगठन व सरकार के तमाम पदों पर महिलाओं को वरीयता दी गई थी। पंचायतों में महिला आरक्षण समाजवादी सरकार की ही देन है। कला-संस्कृति एवं खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यश भारती सम्मान भी शुरू किया गया था।

भाजपा ने समाजवादी सरकार की महिलाओं के लिए शुरू की गईं योजनाओं को खत्म करने या उन्हें अपने काम के रूप में प्रचारित करने के जो कुत्सित प्रयास किए हैं, जनमानस में उनकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। भाजपा की सच्चाई उजागर होने से आधी आबादी ने तय कर लिया है कि वह इस बार भाजपा का सफाया करेगी और समाजवादी पार्टी को प्रचण्ड बहुमत से सत्ता में लाएगी।

बापू को नमन

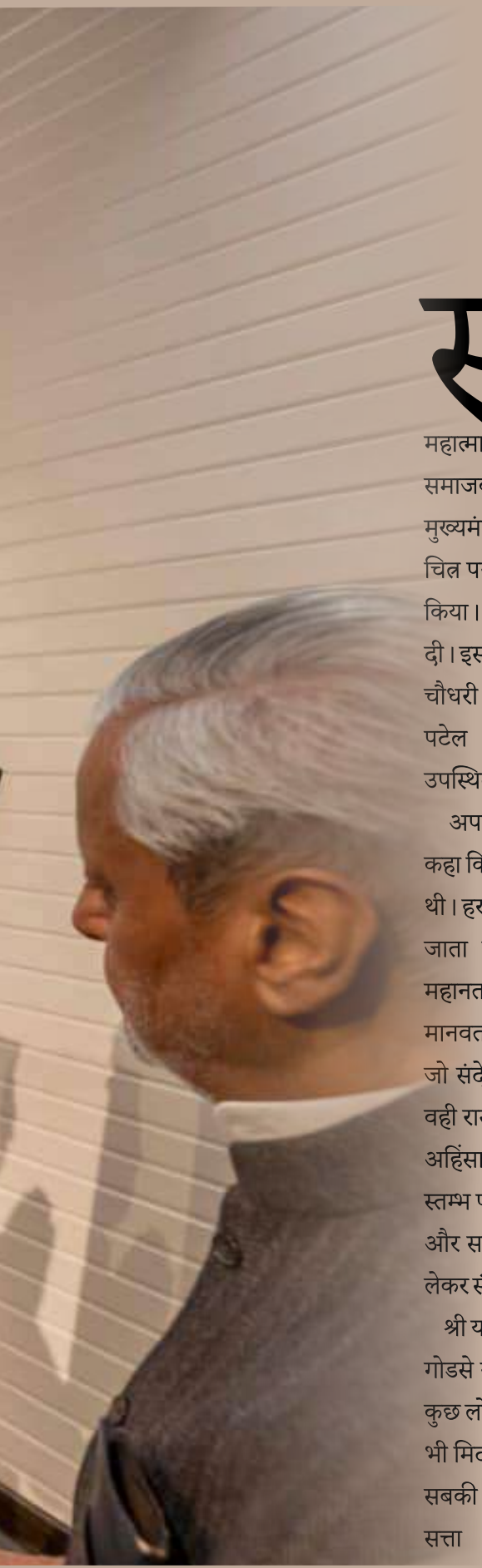

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में 30 जनवरी को महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने गांधीजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। दो मिनट मौन रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज के दिन गांधीजी की हत्या हुई थी। हर वर्ष इस दिन बलिदान दिवस मनाया जाता है। गांधीजी की गणना विश्व के महानतम व्यक्तियों में होती है। उन्होंने मानवता को सत्य और अन्याय के विरोध का जो संदेश दिया डॉ राम मनोहर लोहिया ने वही रास्ता अपनाया था। गांधी जी के सत्य, अहिंसा और सामाजिक सौहार्द के वैचारिक स्तम्भ पर ही समाजवाद की नींव रखी गई है और समाजवादी पार्टी इसी विचारधारा को लेकर संघर्षरत है।

श्री यादव ने कहा कि गांधीजी की हत्या तो गोडसे नामक व्यक्ति ने की थी लेकिन अब कुछ लोगों द्वारा गांधी जी की विचारधारा को भी मिटाने की साजिशें हो रही हैं। गांधी जी सबकी सहमति पर बल देते थे जबकि आज सत्ता पक्ष एकाधिकारी मानसिकता का प्रदर्शन कर रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष की बात अनसुनी कर सिर्फ अपने मन की बात थोपने की कोशिश करना अवांछनीय है।

श्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे गांधीजी के विचारों से अवगत होने के साथ अन्याय और असत्य के खिलाफ संघर्ष में पीछे नहीं रहें। समाज विरोधी तत्वों से समाजवादी पार्टी निपटने के लिए कमर कस चुकी है।

श्री गांधी आश्रम, खादी भवन हजरतगंज लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की तरफ से पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी द्वारा बलिदान दिवस पर गांधीजी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

लता मंगेशकर
1929-2022

फोटो स्रोत : गूगल

मेरी आवाज़ ही पहचान है...

स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर जी का दिनांक 6 फरवरी को निधन हो गया। वे 92 वर्ष की थीं।

उनके निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संगीत जगत में यह एक युग का अवसान है। भारत को विशेष पहचान दिलाने में उनका अमर योगदान और उनके गाए मधुर गीत सदैव स्मरणीय रहेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश ही नहीं दुनिया में इतना बड़ा फ़नकार दूसरा पैदा नहीं हुआ। उनके गाए हजारों गाने लोगों के दिलदिमाग में बसे हैं।

समाजवादी सरकार बनने पर उनके सम्मान में कोई बड़ा काम करेंगे। श्री अखिलेश यादव ने दो मिनट मौन रहकर लता जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ठोको नीति वालों के ख़िलाफ़ :

लाल टोपी ~ लाल पोटली
दोनों ने मिल ताल ठोक ली

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

नफ़रत फैलानेवाले रहें ख़बरदार... हम मोहब्बत के शहर... ताज की नगरी में हैं!

प्रेम का इंक़लाब होगा
बाइस में बदलाव होगा

यूपी कहे आज का
नहीं चाहिए भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ए मेरे वतन के लोगों... जरा याद करो स्वर-वाणी...

भावभीनी श्रद्धांजलि!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हम हर चैलेंज के लिए अभी तैयार हैं... सच को तैयारी की ज़रूरत नहीं पड़ती... वो जगह बताएं, समय बताएं!

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 30 Jan

"मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।"

सत्य व अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं श्रद्धांजलि।

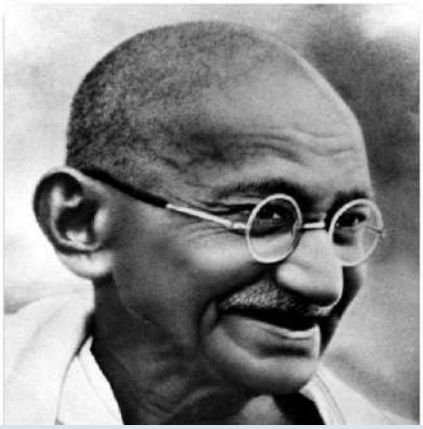

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

काम-कारोबार सब हुआ चौपट...ऐतिहासिक मंदी,लाखों की नौकरी कर गयी चट...आम जनता की आमदनी गयी घट...बेकारी-बीमारी में बैंकों में जमा निकली सारी बचत...अब लोगों की जेब काटने के लिए आया भाजपा का एक और बजट...

उप्र से भाजपा के दुखदायी युग का अंत शुरू हो रहा है!

यूपी कहे आज का
नहीं चाहिए भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

खेत बचाओ तार से ~ किसान बचाओ थार से

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हाथों में जनता का हाथ है... उमड़ा जन सैलाब है... होना अब इंक़लाब है... बाइस में बदलाव है!

यूपी कहे आज का
नहीं चाहिए भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बाबा सरकार में 'महामाफ़िया राज' है।

लखीमपुर के किसानों की हत्या,हाथरस की बेटी के साथ हुई अमानवीयता,गोरखपुर हत्याकांड, इनामी अपराधी का खेलना सरेआम, फ़रार पुलिस कप्तान व अन्य जघन्य कांड जनता भूल नहीं सकती...झूठ बोलने की भी एक हद होती है!

भाजपा में जो जितना बड़ा उतना बड़ा उसका झूठ।

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 44 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

समाजवादी पार्टी

22 में बाइसिकल

समाजवादी पार्टी के संकल्प

- सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी।
- प्रत्येक फसल के लिए MSP प्रदान की जाएगी।
- किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त दी जाएगी।
- 15 दिन में गन्ना किसानों का भुगतान किया जाएगा, इसके लिए फॉर्मर रिवाल्विंग फंड बनाया जाएगा।
- किसानों को ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा।
- समाजवादी पेंशन योजना को फिर शुरू किया जाएगा। जिसके तहत 18,000 प्रति वर्ष गरीब वृद्धों, जरूरत मंद महिलाओं एवं बीपीएल परिवारों को दिया जाएगा। 2012- 17 तक हमने 55 लाख परिवारों को समाजवादी पेंशन दी है। बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था की जाएगी।
- नौजवानों को लैपटॉप दिया जाएगा, सपा सरकार में हमने 18 लाख लैपटॉप बांटे थे।
- सपा सरकार बनने पर किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक मदद और उनके सम्मान में किसान स्मारक बनाया जाएगा।
- साँड़ के हमले में मारे जाने वाले लोग जिसमें अधिकतर ग्रामीण, किसान होते हैं उनके परिवारों को 5 लाख रूपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।
- आईटी के क्षेत्र में 22 लाख रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।
- 'समाजवादी कैंटीन एवं किराना स्टोर' स्थापित किए जाएंगे जहां गरीब श्रमिकों, राजगीरों, बेघरों को सब्सिडाइज्ड दरों पर राशन एवं अन्य जरूरी वस्तुएं मिलेंगी।
- इन कैंटीनों में '10 रुपए में समाजवादी थाली' की व्यवस्था की जाएगी। इस योजना का लक्ष्य राज्य से भूख की समस्या को मिटाना है।
- मनरेगा की तर्ज पर 'अर्बन एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट' बनाया जाएगा।
- पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाएगा।
- यश भारती सम्मान को दुबारा शुरू किया जाएगा।
- नगर स्तर पर अपने क्षेत्रों में अच्छा काम करने वालों को 'नगर भारती' सम्मान दिया जाएगा।

/samajwadiparty

www.samajwadiparty.in